बुमराह का एक्शन अनूठा है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं। उनके एक्शन की कॉपी कर पाना मुश्किल है। मुझे उनका सामना करने का इंतजार है।

- नाथन मैकस्वीनी

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज, जसप्रीत बुमराह के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बारबोरा क्रेजिसिकोवा

टेनिस स्टार बारबोरा क्रेजिसिकोवा खेल की दुनिया का बड़ा नाम है। उन्होंने कई खिताब अपने नाम किए हैं। बारबोरा ने अपने खेल के जरिए नाम और शोहरत कमाई है। लेकिन उनके खेल के अलावा उनके शरीर पर टिप्पणी की गई तो खिलाड़ी भड़क गई। उन्होंने न सिर्फ बयान देने वाले को बल्कि उन सभी को सबक दिया जो कि महिला खिलाड़ियों पर इस तरह की टिप्पणी दिया।टेनिस चैनल पर कमेंट्री करते हुए पत्रकार जॉन वरथिम ने बारबोरा के माथे को लेकर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि, आपको क्या लगता है, मैं क्या कहूं? बारबोरा क्रेजिसिकोवा।

क्या आप जानते हैं ?... द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फीफा के इतालवी उपाध्यक्ष डॉ. ओटारियानो बैरासी ने विश्व कप ट्रॉफी को अपने पलंग के नीचे एक जूते के डिब्बे में छुपाए रखा।

शमी रणजी ट्रॉफी के अगले मैच में मध्यप्रदेश के खिलाफ खेलेंगे

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी करीब एक साल बाद बुधवार को शुरु हो रहे रणजी ट्रॉफी के मुकाबले में मध्यप्रदेश के खिलाफ मैदान पर वापसी करेंगे। शमी को कल से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के अगले मैच के लिए बंगाल की टीम में शामिल किया गया है। बंगाल की टीम इंदौर में मध्य प्रदेश से भिड़ेगी। अगर वह बुधवार से शुरू होने वाले रणजी मैच के बाद और अधिक घरेलू मैच खेलते है तो उन्हें 23 नवंबर से शुरू होने वाली 20 ओवर की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल सकेंगे, जो कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मेगा नीलामी से एक दिन पहले शुरु हो रही है। ऐसा माना जा रहा है कि शमी आगामी चार दिवसीय मैच में अपनी फिटनेस साबित कर देते हैं तो उन्हें भारत की टेस्ट टीम में शामिल किया जा सकता हैं।

राजस्थान 23 सी.के. नायडू ट्रॉफी टीम घोषित, अंडर-19 टीम घोषित

जयपुर, 12 नवम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी के अनुसार बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2024 -25 की राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भाग ले रही राजस्थान अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी टीम के आंध्रा के खिलाफ जयपुर में आगामी 15 - 18 नवम्बर 2024 को खेले जाने वाले मैच हेतु राजस्थान अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी का चयन किया टीम से राहुल गर्ग व देव यादव के स्थान पर हिमांशु नेहरा व शुभम शर्मा का चयन किया गया है। आंध्रा के विरुद मैच हेतु राजस्थान अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी टीम घोषित :-

करण लांबा (कप्तान), सुमित गोदारा, राज शर्मा, मुकुल चौधरी, जयंत ताम्बी, मोहित चांगरा, चेतन शर्मा, अशोक शर्मा, दीपेंद्र सिंह, हिमांशु नेहरा, शुभम शर्मा, साहिल भास्कर, हार्दिक गौर, रौनक गौर, पुखराज कुमार। महाराष्ट्र के विरुद्ध मैच हेतु राजस्थान 19 कूच बिहार ट्रॉफी टीम घोषित आगामी 13 नवम्बर से जयपुर में खेली जाने वाली राष्ट्रिय अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी (मल्टी डेज) में महाराष्ट्र के विरुद मैच हेतु राजस्थान अंडर 19 टीम घोषित। मैच दिनांक 13 से 16 नवम्बर को महाराष्ट्र के विरुद जयपुर में खेला जायेगा।

राजस्थान अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी टीम :- यश यादव, तनय थवानी, निर्मल बिश्नोई, सचिन शर्मा, ध्रुव सेठी, जतिन सैनी, गुलाब सिंह, तोषित भाटिया (कप्तान), नावेद खान, आकाश मुंडेल, चंद्रपाल, पार्थ यादव, मो अनस, आभाष श्रीमाली, सचिन चौधरी, देवेंद्र सिंह तंवर, मनय कटारिया। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में कल दिनांक 13 नवम्बर से खेले जाने वाले अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच से पूर्व आज आरसीए अकादमी पर राजस्थान - महाराष्ट्र अंडर 19 कूच बिहार टीमों ने आरसीए अकादमी पर अभ्यास किया।

पर्थ स्टेडियम में लगा लॉकडाउन, टीम इंडिया करेगी सीक्रेट ट्रेनिंग

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2024-25 साइकल की सबसे अहम टेस्ट सीरीज 22 नवंबर से पर्थ में शुरु होगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में इस बार चार की जगह पांच टेस्ट मैच खेले जाने हैं और इस टेस्ट सीरीज का रिजल्ट ये फैसला करेगा की डब्ल्यूटीसी 2023-25 के फाइनल में भारत जगह बना पाएगा या नहीं।टेस्ट सीरीज का पहला मैच 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाना है।

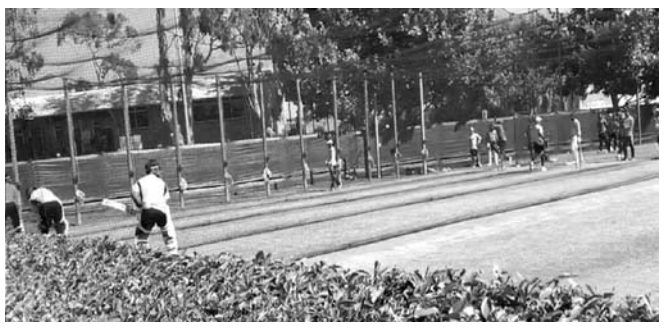

पर्थ के पुराने टेस्ट वेन्यू यानी वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन पर भारतीय टीम ने सीक्रेट ट्रेनिंग कैंप लगाया है। स्टेडियम के चारों तरफ नेट्स लगाए गए हैं और इसके पब्लिक के लिए बंद कर दिया गया है। विराट कोहली पर्थ पहुंचने वाले भारतीय टेस्ट टीम के पहले खिलाड़ी थे, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज शुरू होने से दो हफ्ते पहले ही पहुंच गए। सीरीज के पहले टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा का खेलना मुश्किल है। द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, स्टेडिय इस समय लॉकडाउन में है, जो उस समय की याद दिलाता है जब ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी20 वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय टीम पर्थ पहुंची थी। इसकी बाउंड्री को नेट्स लगाकर ढक दिया गया था और पब्लिक के लिए इसे बंद कर दिया गया था और इसके अलावा स्टेडियम के कर्मचारियों को भी अंदर फोन इस्तेमाल करने की परमिशन नहीं थी।

भारत को ऋतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली भारत ए टीम के खिलाफ प्रैक्टिस खेल खेलना था, जो पहले से ही ऑस्ट्रेलिय ए के खिलाफ दो मैचों की अनऑफिशियल टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया में थी। हालांकि, बीसीसीआई ने घरेलू टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड के खिलाफ क्लीनस्वीप के बाद प्रैक्टिस मैच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट मैच के रूप में ही खेलेंगे।

पर्थ की पिच बनी टीम इंडिया के लिए मुसीबत

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत हो रही है। पहला टेस्ट मैच पर्थ में खेला जाएगा। जहां टीम इंडिया को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। पर्थ की पिच को तेज गति और बाउंस के लिए जाना जाता है और इस बार भी पिच का मिजाज कुछ ऐसा ही रह सकता है। ऐसे में पहले टेस्ट को बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा कहा जा सकता है।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत हो रही है। पहला टेस्ट मैच पर्थ में खेला जाएगा, जहां टीम इंडिया को मुश्किलों का सामना करना पड़ा सकता है। पर्थ की पिच को तेज गति और बाउंस के लिए जाना जाता है और इस बार भी पिच का मिजाज कुछ ऐसा ही रह सकता है।

वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के मुख्य क्यूरेटर आइसैक मैकडोनाल्ड का कहना है कि, ये ऑस्ट्रेलिया है, ये पर्थ है। मैं सुनिश्चित करना चाहता हूं कि पिच से गेंदबाजों को गति, बाउंस मिले और गेंद बहुत बढ़िया ढंग से कैरी करे। मैकडोनाल्ड कोशिश कर रहे हैं कि वो उसी तरह की पिच से गेंदबाजों को गति, बाउंस मिले और गेंद बहुत बढ़िया ढंग से कैरी करे। मैकडोनाल्ड कोशिश कर रहे हैं कि वो उसी तरह की पिच तैयार कर सकें जैसी पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान पहले टेस्ट मैच के समय थी। याद दिला दें कि उस मैच में कुल 35 विकेट गिरे थे, जिनमें से 28 विकेट तेज गेदंबाजों के नाम रहे थे। उस मैच को पाक टीम 360 रनों से हार गई थी।

राजस्थान और मुंबई के मशहूर फुटबॉल खिलाड़ी सुशील कुमार का निधन

जयपुर, 12 नवम्बर। जिला फुटबॉल संघ भूतपूर्व सचिव और विजय फुटबॉल क्लब के सचिव अब्दुल जब्बार ने बताया कि बड़े दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि राजस्थान और मुंबई के मशहूर फुटबॉल खिलाड़ी सुशील कुमार जी का दिनांक देहांत हो गया है। उनकी आयु लगभग 65 वर्ष की थी। राजस्थान की ओर से 3-4 बार संतोष ट्रॉफी जूनियर खेली थी। साथ ही राजस्थान पुलिस में भी बहुत फुटबॉल टूर्नामेंट खेले थे। कुछ सालों के बाद वे मुंबई फर्टिलाइजर में चले गए। वहां उन्होंने 10 साल तक लगातार संतोष ट्राफी खेली और मुंबई के मशहूर फुटबॉल खिलाड़ियों में उनकी गिनती होती थी। रिटायरमेंट के बाद अपने बच्चों के साथ नासिक में शिफ्ट हो गये। अक्टूबर में उनका कुछ स्वास्थ्य ठीक ना होने के कारण बीमार रहने के बाद उनकी मृत्यु हो गई। सुशील कुमार सेन्टर फारवर्ड खेला करते थे। वे खेलते हुए बहुत खुबसुरत लगते थे वे बहुत खुश रहते थे और खिलाड़ियों को भी हंसाते रहते थे। ऐसा खिलाडी आज हमारे बीच नहीं रहा। सुशील कुमार हनुमानगढ़ नोहर के रहने वाले थे।

आज सवाई मानसिंह स्टेडियम पर सभी खिलाड़ियों ने 2 मिनट का मौन रख शोक मनाया। सुशील कुमार के भांजे सुनील राव, बिहारी लाल, अरुण बोहरा, जसवंत सिंह, और फुटबॉल कोच एसके सिन्हा, हितेश शर्मा एवं सभी खिलाड़ियों ने शोक जाहिर कर उनकी ओर से परिजनों को शोक संदेश भेजे कि सुशील कुमार भगवान अपने चरणों में स्थान देवें। सुशील कुमार जी की याद में 11 नवंबर 2024 से बहुत बड़े टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है जिसमें मुंबई के पुराने खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका में हो सकती है चैम्पियंस ट्रॉफी

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। भारत ने पाकिस्तान दौरे पर जाने से मना कर दिया है। इस बीच इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने चैंपियंस ट्रॉफी की हाइब्रिड मॉडल में मेजबानी करने पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से जवाब मांगा है। पीसीबी ने रविवार को पुष्टि की थी कि उसे आईसीसी से एक ईमेल मिला है, जिसमें कहा गया है कि भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी। अगर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड मेजबानी से इनकार करता है तो टूर्नामेंट का आयोजन साउथ अफ्रीका में हो सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट का बड़ा नुकसान हो सकता है। आईसीसी ने पीसीबी को हाइब्रिड मॉडल को लेकर आश्वासन दिया है कि उसे पूरी मेजबानी फीस और अधिकांश मैच मिलेंगे। 2008 के मुंबई आंतकी हमलों के बाद से भारत ने पाकिस्तान का दौरा नहीं दिया है। दोनों टीमें केवल आईसीसी टूर्नामेंट में ही एक दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करती हैं।

जब तक पीसीबी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी से पीछे हटने का फैसला नहीं करता तब तक मौजूदा योजना भारत के मैच यूएई में और फाइनल दुबई में आयोजित करने की है। बीसीसीआई ने आईसीसी से कहा है कि हाइब्रिड मॉडल उन्हें तभी स्वीकार्य है जब फाइनल दुबई में हो न कि पाकिस्तान में। पीसीबी ने सोमवार को बीसीसीआई द्वारा आईसीसी को ये सूचित करने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी कि वह चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजेगा। समाचार एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से जानकारी दी है कि आईसीसी ने पीसीबी से ये पुष्टि करने को कहा है कि क्या हाइब्रिड मॉडल उन्हें स्वीकार्य है, जिसमें भारत के मैच और फाइनल दुबई में आयोजित किया जाएगा।

वहीं आईसीसी ने पीसीबी को आश्वासन दिया है कि इस व्यवस्था के तहत उन्हें पूरी मेजबानी फीस और अधिकांश मैच मिलेंगे। सूत्र ने कहा कि, आईसीसी ने पीसीबी से कहा है कि अगर वह हाइब्रिड मॉडल पर इस मेगा इवेंट की मेजबानी करने का फैसला करता है तो उसे पूरी मेजबानी फीस और अधिकांश मैच मिलेंगे। वहीं सूत्र ने ये भी बताया कि, अगर भारत के इनकार के कारण पीसीबी टूर्नामेंट की मेजबानी से पीछे हटने का फैसला करता है तो आईसीसी टूर्नामेंट को साउथ अफ्रीका में शिफ्ट करने पर विचार कर सकता है। इससे पहले पीसीबी के एक सूत्र ने कहा था कि अभी हाइब्रिड मॉडल पर कोई बात नहीं हुई है।

पाकिस्तान वापस ले सकता है आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी से नाम

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान जाने की संभावनाओं पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आने के बीच आधिकारिक सूत्रों का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि मेजबान टीम टूर्नामेंट से पूरी तरह से हट सकती है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को सूचित किया है कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी और वह अपने मैचों के लिए यूएई जैसे तटस्थ स्थल पर खेलने को लेकर सहज है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन फरवरी में किया जाएगा। यह ताजा घटनाक्रम उन रिपोर्टों के बाद सामने आया है जिनमें कहा गया है कि आईसीसी इस टूर्नामेंट को पूरी तरह से स्थानांतरित करने पर विचार कर सकता है। डॉन ने एक सूत्र के हवाले से कहा, "ऐसे मामले में सरकार जिन विकल्पों पर विचार कर रही है, उनमें से एक विकल्प पीसीबी से यह सुनिश्चित करने के लिए कहना है कि पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी में भाग न ले।"

राजधानी

'मालवीय नगर में आदिनाथ पार्क की 23,633 वर्गगज भूमि ''ग्रीन फायर अस्पताल प्रा. लि.'' को देने पर उतारू है जे.डी.ए. प्रशासन'

हैरानी की बात है कि जयपुर विकास प्राधिकरण इस अस्पताल की लीज निरस्त करके 25 प्रतिशत राशि जब्त करते हुए शेष 75 प्रतिशत राशि वापस लौटा चुका है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में जवाहर लाल नेहरू मार्ग पर ''आदिनाथ पार्क'' की 23 हजार 633 वर्गगज बेशकीमती जमीन को जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारी प्राइवेट हॉस्पिटल की फर्म ''ग्रीन फायर अस्पताल प्रा. लि.'' को देने पर उतारू हो रहे है। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े को आदिनाथ नगर विकास समिति की अध्यक्ष उमा शर्मा ने भेजी है।

उमा शर्मा का कहना है कि, यह पार्क ''आदिनाथ नगर'' स्कीम के 40 प्रतिशत ''फैसिलिटी एरिया'' की भूमि का अभिन्न हिस्सा है। इसके अलावा इस पार्क की जमीन में 40 मीटर ओ.टी.एस. नाला और उसकी 30-30 मीटर की बफर स्ट्रिप दोनों ओर स्थित है। इस पार्क को जे.डी.ए. की उद्यानिकी शाखा ने वर्ष 2015 में अपने पार्कों की सूची में शामिल किया था। वर्तमान में भी इस पार्क की सार-संभाल जे.डी.ए. ही करवा रहा है।

हैरानी की बात यह है कि, मालवीय नगर में मुख्य जवाहर लाल नेहरू रोड पर जहां यह आदिनाथ पार्क स्थित हैं, उसके आसपास में 7 बड़े निजी और सरकारी अस्पताल पहले से मौजूद है। जिनमें फॉर्टिस, ई.एच.सी.सी., जयपुरिया अस्पताल, राजस्थान हॉस्पिटल, खंडाका अस्पताल, भगवान महावीर कैंसर अस्पताल और कैलगिरी हॉस्पिटल शामिल है। इसके बावजूद आदिनाथ पार्क की इस 23 हजार 633 वर्गगज जमीन को निजी अस्पताल ''ग्रीन फायर अस्पताल प्रा. लि.'' को देने का कुत्सित प्रयास जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारी कर रहे हैं।

जबकि राजस्थान नगरीय सुधार न्याय (नगरीय भूमि का निपटान) नियम 1974 के विनियमों 6 (1) (के) में साफ कहा गया है कि, फैसिलिटी एरिया की जमीन अस्पताल के लिए आवंटित नहीं की जा सकती। यह भूमि सरकार सार्वजनिक पार्क, स्कूल-कॉलेज, हॉस्टल, धर्मशाला, सावर्जनिक अतिथि गृह, धार्मिक स्थल, गौशाला, प्ले ग्राउंड के लिए काम में ली जा सकती है। फैसिलिटी एरिया की जमीन को चिकित्सा सुविधाओं यथा, हॉस्पिटल, डायग्नोस्टिक सेंटर और नर्सिंग होम्स के लिए काम नहीं लिया जा सकता। यहां तक कि फैसिलिटी एरिया का भू-उपयोग परिवर्तन स्पष्ट रूप से कानूनन वर्जित है।

- **बड़ा सवाल यह भी है कि, आदिनाथ पार्क के आसपास 7 बड़े निजी-सरकारी अस्पताल फॉर्टिस, ई.एच.सी.सी., जयपुरिया अस्पताल, राजस्थान हॉस्पिटल, खंडाका अस्पताल, भगवान महावीर कैंसर अस्पताल और कैलगिरी हॉस्पिटल पहले से मौजूद हैं, तो फिर जे.डी.ए. प्रशासन नियमों को दरकिनार करते हुए फैसिलिटी एरिया की जमीन इस प्राइवेट हॉस्पिटल को देने की मेहरबानी क्यों दिखा रहा है?**
- **आदिनाथ नगर विकास समिति की अध्यक्ष उमा शर्मा ने इस प्रकरण की शिकायत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े को भेजकर ''सार्वजनिक पार्क'' की जमीन आमजन के हित में बचाने की गुहार लगाई है। उन्होंने इसकी प्रतिलिपि केन्द्रीय वन-पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव, केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, राजस्थान के वन मंत्री संजय शर्मा, नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा और मुख्य सचिव सुधांश पंत को भी भेजी है।**
- **उमा शर्मा का आरोप है कि, जयपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारी, राजस्थान हाईकोर्ट में लंबित डी.बी. स्पेशल अपील (रिट) संख्या 107/2017 उनवानी रतन प्रभा बनाम ग्रीन फायर अस्पताल प्रा. लि. में अब गैर-कानूनी रूप से समझौता करके पुनः यह जमीन इस निजी अस्पताल को देने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं।**

उमा शर्मा का कहना है कि, जयपुर विकास प्राधिकरण, इस निजी अस्पताल को जारी लीज निरस्त करके आवंटी द्वारा जमा करवायी गई 25 प्रतिशत राशि जब्त करते हुए शेष 75 प्रतिशत राशि लौटा चुका है। जिससे संबंधित प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में पहुंचने के बावजूद इस लीज निरस्तीकरण के आदेश में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। राजस्थान हाईकोर्ट में लंबित डी.बी. स्पेशल अपील (रिट) संख्या 107/2017 उनवानी रतन प्रभा बनाम ग्रीन फायर अस्पताल प्रा. लि. में अब जे.डी.ए. के अधिकारी गैर-कानूनी रूप से समझौता करके पुनः यह जमीन इस निजी अस्पताल को देने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं।

उमा शर्मा का कहना है कि आदिनाथ पार्क की जमीन में आदिनाथ नगर का फैसिलिटी एरिया होने के साथ-साथ 40 मीटर ओ.टी.एस. नाला और उसकी 30-30 मीटर की बफर स्ट्रिप भी है। यह भूमि और सेटबैक का एरिया घटाने के बाद यहां अस्पताल के लिए उपयुक्त जगह भी नहीं बचती।

इस प्रकरण को लेकर आदिनाथ नगर विकास समिति ने राजस्थान उच्च न्यायालय में डी.बी. सिविल रिट याचिका 18317/2023 दायर कर रखी है, जो कि विकास समिति बनाम राज्य सरकार व अन्य है। इस प्रकरण में राज्य सरकार और जेडीए ने आज तक कोई जवाब नहीं दिया, अब पुराने प्रकरण में निजी अस्पताल से समझौता करके यह बेशकीमती जमीन उसे सौंपने की कोशिशें चल रही हैं।

समिति अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मांग की है कि वे इस प्रकरण में हस्तक्षेप करके आदिनाथ नगर के पार्क की इस भूमि को बचाने में मदद करें। यह भूमि किसी कंपनी, अस्पताल, फर्म, एलएलपी, संस्था अथवा व्यक्ति को आवंटित नहीं की जाये और यहां ''आदिनाथ पार्क'' यथावत रखते हुए जेडीए द्वारा इसकी सार-संभाल करवायी जाये।

उमा शर्मा ने अपनी शिकायत की प्रतिलिपि केन्द्रीय वन-पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव, केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, राजस्थान के वन मंत्री संजय शर्मा, नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा और मुख्य सचिव सुधांश पंत को भी भेजी है।

वोट बैंक की राजनीति करती है कांग्रेसः मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि विपक्ष क्या कर रहा है, इस पर ध्यान करने की बजाय भाजपा हमेशा अपने कार्यों पर ध्यान देती है। विपक्षी नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के 140 करोड़ देशवासियों को अपना परिवार कहने से आपत्ति है, उनको देशवासियों को संगठित रहने की अपील करने से आपत्ति है और उनको वस्त्र और उसके रंग से भी आपत्ति है तो इससे उनकी विकृत मानसिकता देशवासियों के सामने उजागर हो गई। कांग्रेसी नेताओं को औवेसी के बयानों पर कभी आपत्ति नहीं हुई, वो 15 मिनट पुलिस हटाने वाले बयान पर प्रतिक्रिया नहीं देते, क्योंकि कांग्रेस वोटबैंक की राजनीति करती है, उसको विकास से कोई लेना देना नहीं है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस में राजनीति का स्तर गिरता जा रहा है, इसका नुकसान कांग्रेस पार्टी को होना तय है। भाजपा ने कभी भी कांग्रेस क्या कर रही है, इस पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास की नीति पर कार्य करते हुए जन कल्याणकारी नीतियां तैयार की। भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार ने बजट में हर वर्ग, हर समुदाय के लिए योजनाएं बनाई। भाजपा समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति के लिए कार्य कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के अधिकांश नेता भ्रष्टाचार और घोटालों में संलिप्त पाए जा रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेसी नेता के 64 ठिकानों पर कमरे नोटों से भरे मिले। कर्नाटक ही नहीं, कांग्रेस शासित प्रदेशों में घोटाले पर घोटाले किए जा रहे है। ऐसे में कांग्रेस को अपनी गिरेबा में झांक कर देखना चाहिए।

6 हजार रु. रिश्वत लेते स्वास्थ्य निरीक्षक गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जयपुर नगर-प्रथम टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए नगर निगम हैरिटेज जयपुर जोन-आदर्श नगर के स्वास्थ्य निरीक्षक देव कुमार को परिवादी से 6 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी की जयपुर नगर-प्रथम टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके पिता की हाजिरी माफी और सफाई कार्य में राहत देने की एवज में नगर निगम हैरिटेज जयपुर जोन-आदर्शनगर के स्वास्थ्य निरीक्षक देव कुमार द्वारा प्रतिमाह ती हजार रुपये के हिसाब से छह हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा है। जिस पर एसीबी की जयपुर नगर-प्रथम टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई की गई।

सरकार की प्रथम वर्षगांठ पर लगभग 25 हजार युवाओं को मिलेंगी नियुक्तियां

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राज्य सरकार का एक साल पूरा होने से पहले करीब 25 हजार युवाओं को नियुक्तियां देने और 51 हजार से अधिक नई भर्तियों की सौगात देने जा रहे हैं। युवाओं के रोजगार के सपने को पूरा करने में ये नियुक्तियां एवं विज्ञिप्तयां महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी और 'सुराज संकल्प' की दिशा में अहम कदम साबित होंगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हाल ही में समीक्षा बैठक आयोजित कर सभी विभागों को जारी भर्ती प्रक्रियाएं समय पर पूरी कर युवाओं को शीघ्र नियुक्तियां देने एवं नई भर्तियां निकालने पर तेजी से कार्य करने के निर्देश दे चुके हैं। इसके बाद अब राज्य सरकार पहली वर्षगांठ के मौके पर मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के दौरान 7 विभागों के लगभग 25 हजार युवाओं को नियुक्तियां दिए जाने की तैयारी कर रही है। राज्य सरकार 48 हजार 593 चतुर्थ श्रेणी एवं समकक्ष पदों तथा 3 हजार 170 वाहन चालकों की भर्ती प्रक्रिया भी शीघ्र शुरू करने जा रही है। उल्लेखनीय है कि विभिन्न विभागों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और वाहन चालकों के लम्बे समय से रिक्त चले आ रहे पदों को भरने के लिए राज्य सरकार ने हाल ही इनसे जुड़े सेवा नियमों और भर्ती प्रक्रिया में जरूरी बदलाव किए थे।

राज्य सरकार की युवाओं को निरंतर रोजगार उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के क्रम में तीसरे मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें नर्सिंग ऑफिसर, चिकित्सा अधिकारी (दंत चिकित्सक), हॉस्पिटल केयर टेकर, अध्यापक लेवल एक एवं दो, वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक, आयुर्वेद विभाग में कनिष्ठ कम्पाउंडर व नर्स, आयोजना विभाग में संगणक, कृषि विभाग में कृषि पर्यवेक्षक और संस्कृति शिक्षा विभाग में वरिष्ठ अध्यापक के पदों पर सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा, सफाई कर्मियों के पदों पर नियुक्तियां दी जाएंगी। उल्लेखनीय है कि विगत दो रोजगार उत्सवों में 28 हजार 200 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं।

स्थायी पदों के अतिरिक्त एनएचएम के 21 काडर के विभिन्न पदों पर संविदा भर्ती की जाएगी, जिसके लिए अभ्यर्थना राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड को भिजवाई जा रही है। अब तक एनएचएम में 3 काडर की भर्ती परीक्षाएं बोर्ड द्वारा कराई जा चुकी हैं। इनमें से जीएनएम को दिसम्बर माह में नियुक्ति दे दी जाएगी। इसके अतिरिक्त कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर और एएनएम के पदों के लिए सफल अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन का कार्य चल रहा है।